DIET Jalaun

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MoU)

Between

District Institute of Education and Training Pindari, district - Jalaun , Uttar Pradesh

&

Dayanand Vedic College Orai, district - Jalaun, Uttar Pradesh

Proposed By

Gopal jee Gupta
Lecturer
District Institute Of Education and Training
Pindari, Jalaun, Uttar Pradesh

यह समझौता ज्ञापन दो संस्थानों प्रथम केन्द्र पुरोनिधानित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना योजना के अन्तर्गत स्थापित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिंडारी (जालौन) उ.प्र. एवं द्वितीय दयानंद वैदिक कॉलेज, उरई (जालौन) उ.प्र. के संयुक्त हस्ताक्षरित दिनांक..19../..09.../2023 से प्रभावी होगा । यह समझौता ज्ञापन दो संस्थानों के मध्य पूर्णतः वित्त रहित होगा ।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिण्डारी, जालौन, उ.प्र.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से जनपद स्तर पर अध्यापक शिक्षा की पुनर्रचना एवं पुनर्गठन की आवश्यकता पूर्ति हेतु केन्द्र पुरोनिधानित योजनान्तर्गत औपचारिक, अनौपचारिक तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के विभिन्न स्तर के शिक्षकों, कार्यकर्ताओं एवं अन्य कर्मियों के शैक्षिक उन्नयन एवं व्यावसायिक क्षमता में अभिवृद्धि हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिण्डारी (जालौन) की स्थापना वर्ष 1995 में हुई। भारत सरकार द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के सम्बन्ध में प्रसारित दिशा निर्देश के अनुसार इन संस्थानों की स्थापना का उद्देश्य to provide academic and resource support at the grass-roots level for the success of the various strategies and programmes being under-taken in the areas of elementary and adult education है। प्रत्येक संस्थान के तीन प्रमुख कार्य होंगे :-

1. प्रशिक्षण (सेवापूर्व एवं सेवारत)
2. प्रसार / परामर्श, शिक्षण व अन्य सामग्री का निर्माण
3. क्रियात्मक शोध

वर्तमान समय में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जालौन जनपद के पूर्व प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के अध्यापकों के व्यावसायिक क्षमता में अभिवृद्धि हेतु 10000 से अधिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ नवाचार एवं क्रियात्मक शोध के लिए कार्य कर रहा है।

दृष्टि (VISION)

हम जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को शैक्षिक अनुसंधान, प्रशिक्षण संदर्भ सामग्री के विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में विकसित करने की संकल्पना करते हैं ;जहां शिक्षकों को पूर्व प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक के छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु दिशा देने के लिए तैयार किया जाता है |हम समाज की आवश्यकता और बदलते परिवेश के अनुरूप विद्यालयी शिक्षा और शिक्षक- शिक्षा के क्षेत्र में जीवन मूल्य पर आधारित नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी दक्ष बदलाव को प्रेरित करने वाली शिक्षा की संकल्पना करते हैं। उपचारात्मक शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए डायट स्तर से शिक्षकों को गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

उद्देश्य

- शिक्षक - शिक्षा के क्षेत्र में संसाधनों का कुशलतम उपयोग कर शैक्षिक तकनीकी एवं कौशल विकास के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में विकसित करना।
- स्थानीय शैक्षिक समस्याओं पर आधारित शोध कार्य एवं नवाचार प्रयोग को अनुसमर्थन प्रदान करना।
- सेवारत और सेवा -पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं शिक्षकों की पेशेवर दक्षता पर आधारित पाठ्यक्रम एवं संदर्भ सामग्री का विकास करना है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष्य में समग्र शिक्षा के अन्तगर्त पूर्व प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन हेतु भारत सरकार, राज्य सरकार की नीतियों को जिले स्तर पर कार्यान्वित करना।

- सतत विकास लक्ष्य-4 (समावेशी शिक्षा) के जिले स्तर पर प्राप्ति हेतु अकादमिक अनुसमर्थन प्रदान करना।

समझौता ज्ञापन की संकल्पना एवं कार्य पद्धति

- यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थान दयानंद वैदिक कॉलेज, उरई (जालौन) के शिक्षक - शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिण्डारी (जालौन) के मध्य केवल शैक्षिक नवाचार एवं शोध के लिए होगा।
- यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थान दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) के शिक्षक - शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिण्डारी (जालौन) के मध्य पूर्णतः नॉन फाइनेंशियल (गैर - वित्तीय) समझौता ज्ञापन होगा।
- दोनों संस्थानों में शैक्षिक उन्नयन हेतु शिक्षक -शिक्षा में हो रहे नवाचार का आदान- प्रदान करना।
- शिक्षकों में बहु-विषयक दृष्टिकोण उत्पन्न करने हेतु दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) के शिक्षक - शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी (जालौन) के मध्य आपसी सहयोग स्थापित करना ।
- अध्यापक शिक्षा में व्यवहार परक शोध को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थानों द्वारा शोध फोरम बना कर एक दूसरे का सहयोग करना।
- दोनों संस्थानों के छात्रों को वाचनालय के प्रयोग की अनुमति प्रदान करना।
- शिक्षण कार्य की प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिए आवश्यक नैतिकता और विश्वसनीयता के स्तरों में सुधार के लिए प्रयास करना।
- चूंकि, अध्यापक शिक्षा के लिए बहु विषयक /बहु-विषयक इनपुट के साथ ही साथ उच्चतर गुणवत्ता युक्त विषय- वस्तु और शैक्षणिक प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है ,अतः इसे ध्यान में रखते हुए दोनों संस्थान सन्दर्भदाता के रूप में सहयोग प्रदान करेंगे।
- चूंकि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिण्डारी (जालौन) , सेवारत पूर्व प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के शिक्षण उन्नयन हेतु कार्य करता है | इसकी क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुरूप दयानंद वैदिक कॉलेज , उरई (जालौन) के शिक्षक - शिक्षा विभाग से सहायता प्राप्त कर सेवा - पूर्व प्रशिक्षण में बदलाव का प्रयास करना ।

दयानंद वैदिक कॉलेज उरई (जालौन) की भूमिका

- दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) का शिक्षक - शिक्षा विभाग , जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिण्डारी, जालौन द्वारा किये जा रहे शोध कार्य के गुणवत्ता एवं गहनता में सहयोग प्रदान करेगा।
- दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) का शिक्षक - शिक्षा विभाग विभाग अध्यापक शिक्षा में हो रहे नवाचार के उपयोगिता एवं प्रभावशीलता के निर्धारण में मदद करेगा।
- दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) का शिक्षक - शिक्षा विभाग अध्यापक शिक्षा में हो रहे नए शोध कार्यों के विषय चयन में मदद करेगा।
- शिक्षकों में बहु-विषयक दृष्टिकोण उत्पन्न करने हेतु दयानंद वैदिक कॉलेज , उरई (जालौन) संदर्भदाता की उपलब्धता के लिए प्रयास करेगा।
- दयानंद वैदिक कॉलेज , उरई (जालौन) अपने पुस्तकालय के आवधिक अनुभाग में अध्ययन के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी (जालौन) के अध्यापकों को अनुमति देगा।

- दयानंद वैदिक कॉलेज , उरई (जालौन) जर्नल प्रकाशन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी, जालौन को सहयोग प्रदान करेगा।
- दयानंद वैदिक कॉलेज , उरई (जालौन) का शिक्षक – शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी, जालौन अध्यापक शिक्षा से सम्बंधित सेमिनार/वर्कशॉप के आयोजन में परस्पर सहयोग करेंगे।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी (जालौन) की भूमिका

- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी (जालौन) जनपद के पूर्व प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के अध्यापकों की व्यावसायिक क्षमता में अभिवृद्धि हेतु 10000 से अधिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ नवाचार एवं क्रियात्मक शोध का कार्य कर रहा है, अपने इन अनुभवों को एवं क्षेत्रीय आवश्यकताओं को दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) के शिक्षक – शिक्षा विभाग से साझा करेगा जिससे देश के लिए योग्य अध्यापक तैयार हो सके।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी , जालौन, क्षेत्र अध्ययन /क्षेत्र शोध में दयानंद वैदिक कॉलेज ,उरई (जालौन) के छात्रों को सहयोग प्रदान करेगा । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्डारी, जालौन संदर्भदाता की उपलब्धता के लिए प्रयास करेगा।
- यह समझौता ज्ञापन **(MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MoU))** भविष्य में दोनों संस्थानों की आपसी सहमति से संशोधित एवं परिमार्जित किया जा सकता है।

First Party

Ravindra Singh II
Principal
DIET, PINDARI (JALAUN)

Second Party

19.09.23
Dr. Rajesh Chandra Pandey
Principal
DVC, ORAI (JALAUN)

Witness

(Dr. Rajesh Paliwal)

Witness

Gopal jee Gupta